पाठ – योजना

- **कक्षा** – गूगल मीट पर XII D (10.30-11.20 AM) & XII D (12.30-01.20 PM)
- **लिंक** - https://meet.google.com/fny-mrwt-gqm
- **पुस्तक** – आरोह (भाग-2) **विषय-वस्तु** – कविता **शिक्षक** : डॉ. नीरज दइया, पीजीटी
- **प्रकरण** – कैमरे में बंद अपाहिज / रघुवीर सहाय

शिक्षण- उद्देश्य :-

1. **ज्ञानात्मक** –
   - कविता का रसास्वादन करना।
   - कविता की विशेषताओं की सूची बनाना।
   - कविता की विषयवस्तु को पूर्व में सुनी या पढ़ी हुई कविता से संबद्ध करना।
   - नए शब्दों के अर्थ समझकर अपने शब्द- भंडार में वृद्धि करना।
   - साहित्य के गद्य –विधा (कविता) की जानकारी देना।
   - कैमरे के विविध आयामों के स्पष्ट करना।
   - विद्यार्थियों को कवि एवं उनके साहित्यिक जीवन के बारे में जानकारी देना।
   - प्राकृतिक सौंदर्य तथा जीव-जंतुओं के ममत्व, मानवीय राग, सहयोग, दया और प्रेमभाव से परिचित कराना।
2. **कौशलात्मक** -
   - स्वयं कविता लिखने की योग्यता का विकास करना।
   - अपाहिज, दिव्यांग से संबंधित कविताओं की तुलना अन्य कविताओं से करना।
   - मानव एवं जीव-जंतुओं के प्रति प्रेम एवं सहानुभूति की भावना जागृत करना।
3. **बोधात्मक** –
   - प्राकृतिक सौंदर्य एवं जीव-जगत के व्यवहार पर प्रकाश डालना।
   - रचनाकार के उद्देश्य को स्पष्ट करना।
   - कविता में वर्णित भावों को हृदयंगम करना।
   - प्रकृति तथा जीव-जंतुओं के प्रति आसक्ति–भाव जागृत करना।
4. **प्रयोगात्मक** –
   - कविता के भाव को अपने दैनिक जीवन के व्यवहार के संदर्भ में जोड़कर देखना।
   - इस कविता की तुलना कवि की अन्य रचनाओं से करना ।
   - कविता का केन्द्रीय भाव अपने शब्दों में लिखना।

सहायक शिक्षण– सामग्री:-

- कंप्यूटर, गूगल मीट आदि।
- ब्लॉग, वीडियो, पावर प्वाइंट के द्वारा पाठ की प्रस्तुति।
- https://pgthindiblog.wordpress.com/2021/07/19/raghuveer-sahay-3/

पूर्व ज्ञान:-

- कविता - रचना के बारे में ज्ञान है।
- कैमरे और अपाहिज के विषय में प्रारंभिक ज्ञान है।
- माअनवता के विभिन्न उपादानों की महत्ता से अवगत हैं।
- साहित्यिक और अखबार की भाषा की थोड़ी-बहुत जानकारी है।
- सामाजिक व्यवहार से वाक़िफ़ हैं।
- मानवीय स्वभाव एवं जीव-जंतुओं के व्यवहार की जानकारी है।

प्रस्तावना – प्रश्न :-

- विद्यार्थियों! क्या आपने अपहाजिक से संबंधित कोई कविता पढ़ी है?
- अपाहिज के लिए आजकल हम क्या शब्द काम में लेते हैं? दिव्यांग
- क्या आपने रघुवीर सहाय की कोई रचना पढ़ी है?
- मनुष्य के प्रति आप अपना व्यवहार किस तरह प्रकट करते हैं?
- कोई किसी कमजोर या विकलांग हो तो हम क्या करते हैं?

उद्देश्य कथन :- बच्चों! आज हम कवि 'रघुवीर सहाय' के द्वारा रचित मानवता और संवेदनाशीलता से संबंधित कविता 'कैमरे में बंद अपाहिज' का अध्ययन करेंगे।

प्रथम अन्विति— (हम दूरदर्शन पर बोलेंगे ..... बता नहीं पाएगा।)

- छंद बद्ध और छंद मुक्त कविता में अंतर।
- दूरदर्शन के विभिन्न कार्यक्रमों में संवाद और वार्तालाप कार्यक्रम।
- भाषा में सहजता और संवेदनशीलता।
- रघुवीर सहाय की कविता में प्रयोग।

द्वितीय अन्विति :- (सोचिए बताइए ..... उसके रो पड़ने का करते हैं)

- संवेदनशीलता और संवेदनहीनता, करुणा और क्रूरता।
- मन के भावों को प्रकट करना और समय विषय की स्थिति में भावुक हो जाना।
- सामान्य भाषा और दूरदर्शन की भाषा शैली।
- कार्यक्रम को रोचक बानने के कारण।
- टी. आर. पी. का अर्थ - टीआरपी यानी की टेलीविजन रेटिंग पॉइंट (Television Rating Point) एक ऐसा उपकरण है जिसके द्वारा ये पता लगाया जाता है कि कौन सा प्रोग्राम या टीवी चैनल सबसे ज्यादा देखा जा रहा है

कवि रघुवीर सहाय और अन्य कवियों की भाषा और शिल्प पर चर्चा।

- दिव्यांगों के प्रति हमारे व्यवहार पर विचार-विमर्श

शिक्षण विधि :-

क्रमांक	अध्यापक - क्रिया	छात्र - क्रिया
1.	कक्षा समय से पूर्व पांच सात मिनिट पाठ से संबंधित ऑडियो पाठ को सुनाया जाएगा जो NCERT द्वारा तैयार किया गया है।	विद्यार्थी सुनेंगे और कक्षा गूगल मीट से जुड़ेंगे
2.	**कवि-परिचय :-** रघुवीर सहाय समकालीन हिंदी कविता के संवेदनशील कवि हैं। इनका जन्म लखनऊ (उ०प्र०) में सन् 1929 में हुआ था। इनकी संपूर्ण शिक्षा लखनऊ में ही हुई। वहीं से इन्होंने अंग्रेजी साहित्य में एम०ए० किया। प्रारंभ में ये पेशे से पत्रकार थे। इन्होंने प्रतीक अखबार में सहायक संपादक के रूप में काम किया। फिर ये आकाशवाणी के समाचार विभाग में रहे। कुछ समय तक हैदराबाद से निकलने वाली पत्रिका कल्पना और उसके बाद दैनिक नवभारत टाइम्स तथा दिनमान से संबद्ध रहे। साहित्य-सेवा के कारण इन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इनका देहावसान सन 1990 में दिल्ली में हुआ।	कवि के बारे में आवश्यक जानकारियाँ अपनी अभ्यास – पुस्तिका में लिखना। **विद्यार्थी अन्य रचनाओं के विषय में जानकारी करेंगे -** रघुवीर सहाय नई कविता के कवि हैं। इनकी कुछ आरंभिक कविताएँ अज्ञेय द्वारा संपादित दूसरा सप्तक (1935) में प्रकाशित हुई। इनके महत्वपूर्ण काव्य-संकलन हैं-सीढ़ियों पर धूप में, आत्महत्या के विरुद्ध, हँसो-हँसो जल्दी हँसी, लोग भूल गए हैं आदि।
3.	**<u>कविता</u> का केन्द्रीय भाव :-**प्रस्तुत कविता- कैमरे में बंद अपाहिज' कविता को 'लोग भूल गए हैं' काव्य-संग्रह से लिया गया है। इस कविता में कवि ने शारीरिक चुनौती को झेल रहे व्यक्ति की पीड़ा के साथ-साथ दूर-संचार माध्यमों के चरित्र को भी रेखांकित किया है। किसी की पीड़ा को दर्शक वर्ग तक पहुँचाने वाले व्यक्ति को उस पीड़ा के प्रति स्वयं संवेदनशील होने और दूसरों को संवेदनशील बनाने का दावेदार होना चाहिए। आज विडंबना यह है कि जब पीड़ा को परदे पर उभारने का प्रयास किया जाता है तो कारोबारी दबाव के तहत प्रस्तुतकर्ता का रवैया संवेदनहीन	कविता को ध्यानपूर्वक पढ़ना और सुनना तथा समझने का प्रयत्न करना। साथ ही अपनी शंकाओं तथा जिज्ञासाओं का निराकरण करना।

	हो जाता है। यह कविता टेलीविजन स्टूडियो के भीतर की दुनिया को समाज के सामने प्रकट करती है। साथ ही उन सभी व्यक्तियों की तरफ इशारा करती है जो दुख-दर्द, यातना-वेदना आदि को बेचना चाहते हैं।	
4.	शिक्षक के द्वारा पाठ का उच्च स्वर में पठन करना।	उच्चारण एवं पठन – शैली को ध्यान से सुनना।
5.	कविता के पदों की व्याख्या करना। जिज्ञासाओं का निराकरण करना।	कविता को हृदयंगम करने की क्षमता को विकसित करने के लिए कविता को ध्यान से सुनना। कविता से संबधित अपनी
6.	**कठिन शब्दों के अर्थ :-** समर्थ-सक्षम। शक्तिवान-ताकतवर। दुबल-कमजोर। बंद कमरे में-टी.वी. स्टूडियो में। अपाहिज-अपंग, विकलांग। दुख-कष्ट। रोचक-दिलचस्प। वास्ते-के लिए। इंतज़ार-प्रतीक्षा।	छात्रों द्वारा शब्दों के अर्थ अपनी अभ्यास-पुस्तिका में लिखना।
7.	छात्रों द्वारा पठित पदों में होने वाले उच्चारण संबधी अशुद्धियों को दूर करना।	छात्रों द्वारा पठन।
8.	कविता से वन लाइनर तैयार करना तथा पठित अंश पर बहुविकल्प के प्रश्नोत्तर तैयार करना। कविता से MCQ	गूगल फार्म से टेस्ट **मूल्यांकन :- लिंक**

गृह–कार्य :-

- **https://forms.gle/dsLACy6o77z9ADJFA**
- कविता का सही उच्चारण के साथ पठन करना।
- ब्लॉग से बहुविकल्प प्रश्नोत्तर लिखेंगे, वन लाइनर के रूप में।

डॉ. नीरज दइया, पीजीटी (हिंदी)

(प्राचार्य)